कान्क्लेव से ग्रेनो में बढ़ेगा मल्टी नेशनल कंपनियों का निवेश

इंवेस्ट यूपी-ग्रेनो प्राधिकरण करेगा ग्लोबल कैपिटल कान्क्लेव आयोजित

जासं, ग्रेटर नोएडा: औद्योगिक निवेश में नए आयाम गढ़ रहा ग्रेटर नोएडा अब मल्टीनेशनल कंपनियों को शहर में निवेश करने को प्राधिकरण योजना पर कार्य कर रहा है। जुलाई या अगस्त में ग्लोबल कैपिटल कान्क्लेव के आयोजन की तैयारी हो रही है। इसका उद्देश्य दुनियाभर के बड़े निवेशकों व मल्टीनेशनल कंपनियों को ग्रेटर नोएडा में निवेश को यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर, सरल प्रक्रिया, छूट आदि से परिचित कराया जाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद निवेश की संभावना और बढ़ेगी। बैंगलुरु, हैदराबाद, गुरुग्राम, मुंबई की तर्ज पर शहर में बड़े स्तर पर निवेश को लाने की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यूपी इंवेस्ट के सीईओ विजय किरण आनंद ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक की है।

इंवेस्ट यूपी व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की संयुक्त पहल से इस कान्क्लेव का आयोजन होगा। इसमें यूरोप, अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, जापान, कोरिया, खाड़ी देशों से निवेशकों व दूतावास प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। निवेशकों को शहर के बार में प्रस्तुतिकरण से जानकारी दी जाएगी। निवेश के अवसर, स्टांप पर छूट, भूमि आवंटन की प्रक्रिया, डाटा सेंटर, सेमीकंडक्टर हब, इलेक्ट्रिक व्हीकल जोन व स्किल्ड मैनपावर जैसी उपलब्धियां बताई जाएगी। कान्क्लेव में मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया व इज आफ डूइंग बिजनेस को आधार बना बताया जाएगा केस ग्रेनो में निवेशक के विकल्प है।

बैठक करते इनवेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद • सौ. प्राधिकरण

> जुलाई और अगस्त कान्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य ग्रेटर नोएडा में मल्टीनेशनल कंपनियों को निवेश को बढ़ाना है। ग्रेटर नोएडा को बैंगलुरु, हैदराबाद की तर्ज पर वैश्विक निवेश का हब बनाना है। विकसित भूमि के साथ ही लाजिस्टिक्स, एयर कनेक्टिविटी, स्किल हब की सुविधा के जरिये दुनियाभर के बड़े निवेशकों को ग्राउंड रियलिटी दिखाकर ग्रेटर नोएडा को उनकी पहली पसंद बनाया जाना है।– **एनजी रवि कुमार**, सीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

बड़ी कंपनियों समेत स्टार्टअप्स को भी आमंत्रित होंगे : कान्क्लेव दुनियाभर की बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनी, आइटी कंपनी, बीपीओ को आमंत्रित किया जाएगा। स्टार्टअप्स भी आमंत्रित होंगे। इससे स्टार्टअप्स को वैश्विक स्तर पर साझेदारी करने का अवसर मिलेगा। वहीं स्थानीय आइटी, इलेक्ट्रानिक्स और स्टार्टअप्स को लाभ मिलेगा।